ADT/21/2416-17

Dated : 31.12.2021

प्रैस नोट

भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता के अनुरूप मशरूम उत्पादन तकनीक और मधु मक्खी पालन पर हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षणों से संबन्धित सूचना

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की इस संस्थान को भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत एक परियोजना के तहत हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के युवकों तथा युवतियों को स्वावलंबी बनाने हेतु पाँच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षणों को आयोजित करने का प्रावधान है तथा इसके अन्तर्गत तीन प्रशिक्षण मशरूम उत्पादन तकनीक और तीन प्रशिक्षण मधुमक्खी पालन पर आयोजित करने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय मे विचाराधीन है। परियोजना के तहत हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के युवकों तथा युवतियों को विश्वविद्यालय मे उपलब्ध वित्तीय सहायता के अनुरूप प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों को इसे एक व्यवसाय के रूप मे शुरू करने के लिए उससे संबन्धित उचित सामान देने का भी प्रावधान है ताकि वो इसे एक व्यवसाय के रूप मे अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। प्रशिक्षण के इच्छुक उम्मीदवारों से निवेदन है कि वो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान जो विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3, लूदास रोड पर स्तिथ है यहाँ आ कर 7 जनवरी 2022 तक अपना फॉर्म भरें। आवेदन के साथ हरियाणा सरकार द्वारा प्रदत अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र, परिवार पहचान पत्र, शैक्षणिक योग्यता, आधार कार्ड, फोटो, दसवीं का प्रमाण पत्र इत्यादि कि प्रतिलिपि स्लंग्न करें। इस प्रशिक्षण के लिये केवल वही युवक या युवती आवेदन करे जो इसे एक व्यवसाय के रूप मे शुरू करने के इच्छुक हों। मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के इच्छुक उम्मीदवारों को लगभग 100 मशरूम खाद के बैगों को रखने के लिये झोपड़ी या कच्चा/पक्का कमरा होना पहले सुनिश्चित करें ।

दिनाँक 31.12.2021

डॉ: ए. के. गोदारा
सह: निदेशक (प्रशिक्षण)
एसएनआईएटीटीई, हिसार

निदेशक, विस्तार शिक्षा

(For seen)